कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (37) खण्ड - {73}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- ज्ञान की फाउंडेशन क्या है?

A- बाप की याद

B- पवित्रता

C- श्रीमत

D- योग

प्रश्न 2- ठीक पुरुषार्थ नहीं किया होगा तो कहाँ चले जायेंगे ?

A- राजा के दास-दासी

B- दास-दासी के भी नौकर-चाकर

C- थर्ड ग्रेड में

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- क्या करने से ग्रहण छूट जाएगा ?

A- बाप की याद से

B- विकारों के दान से

C- श्रेष्ठाचारी बनने से

D- सूर्यवंशी राज्य लेने से

प्रश्न 4 - बाप कहते हैं मुझे याद नही करेंगे तो ?

A- सजाएँ खानी पड़ेंगी

B- स्वर्ग में नही जा सकेंगे

C- ऊँच पद नही पा सकेंगे

D- पापों का बोझा नही उतरेगा

प्रश्न 5- तुम्हें बाप द्वारा बाप की ..... अर्थात् ड्रामा के आदि -मध्य- अन्त का ज्ञान मिला है ?

A- रचना

B- लीला

C- कृति

D- सृष्टि चक्र

प्रश्न 6- स्वयं को बाप के पास रजिस्टर कराना है। तो उसके लिए कौनसा कायदा है ?

A- बाप पर पूरा पूरा बलि चढ़ना पड़ता

B- अपना सब कुछ भारत को स्वर्ग बनाने की

सेवा में सफल करना होता

C- सम्पूर्ण निर्विकारी बनने का कसम उठाना पड़ता

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- तन-मन-धन भारत को स्वर्ग बनाने में सफल करना है। पूरा-पूरा क्या बनना है ?

A- फ्लैन्थ्रोफिस्ट

B- सुपरफिस्ट

C- फिलॉसॉफिस्ट

D- इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 8- जिसके ऊपर परमात्म ..... है उसका कोई क्या कर सकता ?

A- दुआओं का हाथ

B- वरदानी हाथ

C- छत्रछाया

D- सुरक्षा कवच

प्रश्न 9-ब्राह्मण जीवन की खुराक है ?

A- मुरली

B- ब्रह्मा भोजन

C- खुशी

D- स्नेह

प्रश्न 10- बाप ने सर्व शक्तियां दे दीं। जब सर्वशक्तियां साथ हैं तो क्या नहीं आ सकता ?

A- अलबेलापन

B- आालस्य

C- माया रावण

D- विकार

प्रश्न 11- मरजीवा बने हो तो क्या करना है ?

A- सब कुछ भूल जाओ।

B- एक बाप जो सुनाते हैं, वह सुनो।

C- बाप को याद करो, तुम्हीं संग बैढ़ूँ।

D- A और C

E- AB,C

प्रश्न 12- अपने हर ..... द्वारा औरों को प्रेरणा देने वाले ही प्रेरणामूर्त हैं ?

A संकल्प

B बोल

C कर्म

D उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- मुरली अनुसार यह कौन सी दुनिया है ?

A- बाबुलनाथ की

B- कॉटों की दुनिया

C- दुःख की

D- नश्वर

प्रश्न 14- हमें किसलिए अपार खुशी में रहना है ?

A- तुम्हारा यह मरजीवा जन्म है।

B- तुम ईश्वर बाप से वर्सा ले रहे हो

C- तुम्हें बहुत बड़ी लाटरी मिली है

D- A और B

E- AB,C

प्रश्न 15- बाप पर कुर्बान जाने के लिए किस बात का त्याग जरूरी है ?

A- विकारों का

B- देह-अभिमान का

C- पुरानी दुनिया का

D- अलबेलापन का

प्रश्न 16-निरन्तर ईश्वरीय सुखों का अनुभव करने वाले ही क्या हैं ?

A- निरन्तर सेवाधारी

B- सहजयोगी

C- निश्चयबुद्धि

D- बेफिक्र बादशाह

भाग (37) खण्ड {73} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.पवित्रता*

ब्रह्मा बाबा शिव बाप की विशेष पसन्दगी क्या है? (पवित्रता, अन्तर्मुखता, निश्चयबुद्धि, सच्चाई-सफाई)। *वास्तव में फाउण्डेशन है - पवित्रता।* लेकिन पवित्रता की परिभाषा बहुत गुह्य है। *पवित्रता जहाँ होगी वहाँ निश्चय, सच्चाई-सफाई, ये सब आ जाता है।* लेकिन बापदादा देखते हैं कि पवित्रता की गुह्य भाषा, पवित्रता का गुह्य रहस्य अभी बुद्धि में पूरा स्पष्ट नहीं है। *व्यर्थ संकल्प चलना या चलाना,

अपने अन्दर भी चलता है और दूसरों को भी चलाने के निमित्त बनते हैं।*

उत्तर 2- *C.थर्ड ग्रेड*

अब जितना श्रीमत पर चलेंगे, उतना ऊंच बनेंगे। फिर प्रसिद्ध हो जायेंगे कि कल्प-कल्प यह ऐसे ही पुरूषार्थ करने वाले हैं। यह कल्प-कल्प की बाजी है। जो जास्ती पुरूषार्थ कर रहे हैं वह अपना राज्य भाग्य ले रहे हैं। *ठीक पुरूषार्थ नहीं किया होगा तो थर्ड ग्रेड में चला जायेगा।* प्रजा में भी पता नहीं क्या जाकर बनेगा।

उत्तर 3- *B.विकारों के दान से*

यह बी.के. का जो आश्रम है यह है क्वारनटाइन क्लास है l यहाँ 7 रोज़ क्लास करना है ताकि 5 विकार निकल जाएं। देवताओं में यह 5 विकार होते नहीं। *अब यहाँ 5 विकारों का दान देना है, तब ग्रहण छूटेगा। दे दान तो छूटे ग्रहण।* फिर तुम 16 कला सम्पूर्ण बन जायेंगे।

उत्तर 4- *D.पापो का बोझा नही उतरेगा*

बाप आकर ब्राह्मण धर्म, सूर्यवंशी चंद्रवंशी धर्म स्थापन करते है बाप कहते है *मुझे याद नही करेंगे तो जन्म जन्मांतर के पापों का बोझा उतरेगा नही l* यह बडे ते बडा फुरना है l कर्म करते धंदा करते मेरे आशिक मुझ माशूक को याद करो l कोई पतित काम नही करो l

उत्तर 5- *B.लीला*

तुम्हें बाप द्वारा बाप की लीला अर्थात् ड्रामा के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान मिला है, तुम जानते हो अब यह नाटक पूरा होता है, हम घर जाते हैं"

उत्तर 6- *D.उपरोक्त सभी*

*बाप के पास रजिस्टर होने के लिए 1- बाप पर पूरा पूरा बलि चढ़ना पड़ता। 2-अपना सब कुछ भारत को स्वर्ग बनाने की सेवा में सफल करना होता। 3- सम्पूर्ण निर्विकारी

बनने का कसम उठाना पड़ता और फिर रहकर भी दिखाना होता।* ऐसे बच्चों का नाम आलमाइटी गवर्मेन्ट के रजिस्टर में आ जाता है। उन्हें नशा रहता कि हम भारत को स्वर्ग वा राजस्थान बना रहे हैं। हम भारत की सेवा के लिए बाप पर बलि चढ़ते हैं।

उत्तर 7- *A.फ्लैन्थ्रोफिस्ट*

तुम बच्चों को बहुत नशा रहना चाहिए। *उन्हों को समझाना है हम तो भारत की तन-मन-धन से सेवा करते हैं। तुम भारत की सेवा के लिए ही बलि चढ़े हो ना। ऐसा फ्लैन्थ्रोफिस्ट कोई होता नहीं।* वह तो पैसे इकट्ठे कर मकान आदि बनाते रहते हैं। आखिर तो यह सब कुछ मिट्टी में मिल जाना है। तुमको तो सब कुछ बाबा पर बलि चढ़ाना है।

उत्तर 8- *C.छत्रछाया*

जैसे कमल पुष्प कीचड़ पानी में होते भी न्यारा रहता है। और जितना न्यारा उतना सबका प्यारा है। ऐसे आप बच्चे दु:ख के संसार से न्यारे और बाप के प्यारे हो गये, यह

परमात्म प्यार छत्रछाया बन जाता है। और *जिसके ऊपर परमात्म छत्रछाया है उसका कोई क्या कर सकता! इसलिए फ़खुर में रहो कि हम परमात्म छत्रछाया में रहने वाले हैं,* दु:ख की लहर हमें स्पर्श भी नहीं कर सकती।

उत्तर 9- *C.खुशी*

सेवा का शौक भी अच्छा है। जो भी जहाँ से भी आये हो लेकिन सभी तीव्र पुरुषार्थी और उड़ती कला वाले हो। *सबसे ज्यादा खुश कौन रहता है? नशे से कहो मैं! सिवाए खुशी के और है ही क्या! 'खुशी' ब्राह्मण जीवन की खुराक है। * खुराक के बिना कैसे चलेंगे। चल रहे हो, तो खुराक है तभी तो चल रहे हो ना। स्थान भी बढ़ रहे हैं।

उत्तर 10- *A.अलबेलापन*

संगमयुग में बाप मिला सब-कुछ मिला। तो अलर्ट ही रहेंगे ना। जिसको बहुत प्राप्तियां होती रहती हैं वो कितना अलर्ट रहते हैं! रिवाजी बिजनेसमैन को बिजनेस में प्राप्तियां होती रहती हैं तो अलबेला होगा या अलर्ट होगा? तो आपको

एक सेकेण्ड में कितना मिलता है! तो अलबेले कैसे होंगे? *बाप ने सर्व शक्तियां दे दीं। जब सर्व शक्तियां साथ हैं तो अलबेलापन नहीं आ सकता है।* सदा होशियार, सदा खबरदार रहो!

उत्तर 11- *E. AB,C*

मरजीवा बने हो तो सब कुछ भूल जाओ, एक बाप जो सुनाते हैं, वही सुनो और बाप को याद करो, तुम्हीं संग बैठूँ" जो मरजीवा बनते हैं उनके लिए यह जन्म साथ रहना होता है। यह एक ही है ऊंचे ते ऊंचा जन्म। बाप भी एक ही बार आते हैं, फिर तो कभी आ नहीं सकेंगे। एक ही बार आकर बच्चों की सर्व कामनायें पूर्ण कर लेते हैं।

उत्तर 12- *D.उपरोक्त सभी*

अपने हर संकल्प, बोल और कर्म द्वारा औरों को प्रेरणा देने वाले ही प्रेरणामूर्त हैं।

उत्तर 13- *B.कांटो की दुनिया*

बाप समझाते हैं - यह है कॉटों की दुनिया। एक दो को दु:ख देते रहते हैं। घर में बच्चे भी ऐसे कपूत निकल पड़ते हैं जो बात मत पूछो। माँ-बाप को बहुत दु:खी करते हैं। सभी कोई एक समान भी नहीं होते।

उत्तर 14- *E. AB,C*

तुम्हारा यह मरजीवा जन्म है, तुम ईश्वर बाप से वर्सा ले रहे हो, तुम्हें बहुत बड़ी लाटरी मिली है, इसलिए अपार खुशी में रहना है"

उत्तर 15- *B.देह-अभिमान का*

देह-अभिमान का। देह-अभिमान आया तो मरा, व्यभिचारी हुआ इसलिए कुर्बान होने में बच्चों का हृदय विदीर्ण होता है। जब कुर्बान हो गये तो उस एक की ही याद रहे। उन पर ही बलिहार जाना है, उनकी ही श्रीमत पर चलना है।

उत्तर 16- *D.बेफिक्र बादशाह*

निरन्तर ईश्वरीय सुखों का अनुभव करने वाले ही बेफ़िक्र बादशाह है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (37) खण्ड - {74}

प्रश्न 1- मन्दिर किसका होना चाहिए ?

A- लक्ष्मी- नारायण का।

B- एक दिलवाला का।

C- देवी - देवता

D- A और B

प्रश्न 2- सद्गुरू के निन्दक ठौर न पावें। ठौर का अर्थ है ?

A- बादशाही

B- ठिकाना

C- राज्य

D- स्थान

प्रश्न 3- बाप का सबसे बड़े से बड़ा टाइटल है-

A- वर्ल्ड सर्वेंट

B- विश्व गुरू

C- करनकरावनहार

D- श्री श्री 108

प्रश्न 4- अवस्था स्थाई तब रहेगी जब ?

A- कर्मातीत अवस्था होगी।

B- नष्टोमोहा अवस्था होगी।

C- सिर्फ एक की याद में रहेंगें।

D- साक्षात्कार होते रहेंगे।

प्रश्न 5-माया बहुत लालच देती है। एक कहावत है "भगवान को याद करो नहीं तो ..... आ जायेगा" यह माया भी .....मिसल वार करती है ?

A- शेर

B- बाज

C- मगरमच्छ

D- गब्बर

प्रश्न 6- भोलानाथ सदैव किसको कहा जाता है ?

A- शंकर को

B- ब्रह्मा को

C- शिवबाबा को

D- A और C

प्रश्न 7- ब्रह्मा,सरस्वती और बच्चे सभी को कहते हैं ?

A- राजऋषि

B- ब्राह्मण

C- ब्रह्माकुमार- ब्रहाकुमारी

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- ब्रह्मा बाप का क्या गीत था ?

A- पा लिया - जो था पाना।

B- मुझे भगवान मिले।

C- मैं खुशनसीब हूँ।

D- मैं बाबा का बाबा मेरा।

प्रश्न 9- विकर्माजीत किसको कहा जाता है ?

A- सतयुग के देवी-देवताओं को

B- संगमयुग के ब्राह्मणों को

C- त्रेता के चन्द्रवंशी को

D- A और C

प्रश्न 10- बाप तुमको समझाते हैं कि मैं स्वयं आकर राजाओं का राजा स्वर्ग का मालिक बनाता हूँ, वह कैसे बनाते हैं ?

A- वर्से से

B- राजयोग से

C- पढ़ाई से

D- पवित्र बनने से

प्रश्न 11- पवित्रता बिना भारत क्या नहीं बन सकता ?

A- पावन

B- निर्विकारी

C- स्वर्ग

D- गोल्डेन एज

प्रश्न 12- दूसरे सतसंगों वा आश्रमों से यहाँ की कौन सी रसम बिल्कुल न्यारी है ?

A- तुम मरजीवा बनते हो।

B- घर में रह तुम्हें ज्ञान अमृत पीना है।

C- रूहानी सेवा करनी है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- असमर्थ को समर्थ कैसे बना सकते हैं ?

A- अनुभूतियों से

B- सर्वशक्तियों से

C- विशेषता से

D- सर्वगुणसंपन्नता से

प्रश्न 14- किसका पुरुषोत्तम संगमयुग है ?

A- देवी-देवता

B- गीता

C- ब्राह्मणों

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- किस समय याद बहुत अच्छी रहेगी ?

A- नुमाशाम

B- अमृतवेले

C- भट्टी

D- B और C

प्रश्न 16- सबसे अच्छा कर्म कौन सा है ?

A- रूहानी सेवा

B- सुख-शान्ति का दान देना

C- बाप पर अपना सब कुछ अर्पण करना

D- ट्रस्टी बनकर सब संभालना

भाग (37) खण्ड {74} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.एक दिलवाला का*

तुम जानते हो कि मन्दिर होना चाहिए एक दिलवाला का। यह एक ही काफी है। लक्ष्मी-नारायण के मन्दिर से भी क्या होगा! वह कोई कल्याणकारी नहीं हैं। शिव का मन्दिर बनाते हैं, वह भी अर्थ रहित। उनका आक्यूपेशन तो जानते ही नहीं। मन्दिर बनावे, आक्यूपेशन को न जानें तो क्या कहेंगे?

उत्तर 2- *A.बादशाही*

देह अभिमान कारण विकर्म होंगे। इसका सौ गुणा दण्ड हो जायेगा क्योंकि हमारी निन्दा कराते हैं। ऐसा कर्म नहीं करना चाहिए जो बाप का नाम बदनाम हो इसलिए गाते हैं *सद्गुरू के निन्दक ठौर न पावें। ठौर माना बादशाही ।*

उत्तर 3- *A.वर्ल्ड सर्वेंट*

जैसे बाप का सबसे बड़े से बड़ा टाइटल है वर्ल्ड सर्वेन्ट। वैसे बच्चे भी वर्ल्ड सर्वेन्ट अर्थात् सेवाधारी हैं। सेवाधारी अर्थात् त्यागी और तपस्वी।

उत्तर 4- *A.कर्मातीत अवस्था होगी*

बाप समझाते भी हैं तुम स्टूडेन्ट हो। जानते हो हम देवता स्वर्ग के मालिक बनने वाले हैं। सिर्फ देवता भी नहीं। हम विश्व के मालिक बनने वाले हैं। *यह अवस्था स्थाई तब रहेगी जब कर्मातीत अवस्था होगी।* ड्रामा प्लैन अनुसार होनी है ज़रूर।

उत्तर 5- *B.बाज*

माया बहुत लालच देती है। एक कहावत है “भगवान को याद करो नहीं तो बाज आ जायेगा'' यह माया भी बाज मिसल वार करती है। अब जबकि बाप आये हैं तो अभी भी

पुरुषार्थ कर ऊंच पद नहीं पाया तो कल्प-कल्पान्तर भी नहीं पायेंगे।

उत्तर 6- *C.शिवबाबा को*

भोलानाथ सदैव शिवबाबा को कहा जाता है। शंकर को नहीं कहा जाता। वह तो विनाश करता है और शिवबाबा स्थापना करते हैं। यह तो जरूर है स्थापना स्वर्ग की और विनाश नर्क का करेंगे। तो ज्ञान सागर भोलानाथ शिव को ही कहेंगे।

उत्तर 7- *A.राजऋषि*

तुम सिद्ध कर बताते हो कि यह मात-पिता, ब्रह्मा सरस्वती दोनों कल्प वृक्ष के नीचे बैठे हैं, राजयोग सीख रहे हैं तो जरूर उन्हों का गुरू चाहिए। *ब्रह्मा सरस्वती और बच्चे सभी को राजऋषि कहते हैं*। राजाई के लिए योग लगाते हैं।

उत्तर 8- *A.पा लिया - जो था पाना*

ब्रह्मा बाप का क्या गीत था? पा लिया - जो था पाना। तो यह सिर्फ ब्रह्मा बाप का गीत है या आप सबका? कभी-कभी थोड़ी दु:ख की लहर आ जाती है?

उत्तर 9- *A.सतयुग के देवी देवताओं को*

वास्तव में सतयुग के देवी-देवताओं को ही विकर्माजीत कहा जाता है। वहाँ विकर्म तो होते नहीं। विकर्माजीत संवत और विक्रम संवत अलग-अलग है। एक राजा विक्रम भी होकर गया है और विकर्माजीत राजा भी हो गया है।

उत्तर 10- *B.राजयोग से*

तुम जानते हो हम राजाओं के राजा बनते हैं। पतित राजायें कैसे बनते हैं और पावन राजाओं के राजा कैसे बनते

हैं, वह भी *बाप तुमको समझाते हैं। मैं स्वयं आकर राजाओं का राजा स्वर्ग का मालिक बनाता हूँ - इस राजयोग से।*

उत्तर 11- *C.स्वर्ग*

मीठे बच्चे - *पवित्रता बिना भारत स्वर्ग बन नहीं सकता,* तुम्हें श्रीमत है घर

गृहस्थ में रहते पवित्र बनो, दोनों तरफ तोड़ निभाओ"

उत्तर 12- *D.उपरोक्त सभी*

उन आश्रमों में मनुष्य जाकर रहते हैं समझते हैं - संग अच्छा है, घर आदि का हंगामा नहीं है। एम-आब्जेक्ट कुछ नहीं। परन्तु *यहाँ तो तुम मरजीवा बनते हो। तुम्हें घरबार नहीं छुड़ाया जाता। घर में रह तुम्हें ज्ञान अमृत पीना है, रूहानी सेवा करनी है*। यह रसम उन सतसंगों में नहीं है।

उत्तर 13- *A.अनुभूतियों से*

अनुभूतियों का प्रसाद बांटकर असमर्थ को समर्थ बना देना - यही सबसे बड़ा पुण्य है।

उत्तर 14- *B.गीता*

परमपिता परमात्मा की महिमा और गीता की महिमा भी अपरमअपार है, परन्तु सच्ची गीता की। अभी बाप तुमको राजयोग सिखलाते हैं। *यह गीता का पुरुषोत्तम संगमयुग है। *

उत्तर 15- *B.अमृतवेले*

“मीठे बच्चे - *अमृतवेले के शान्त, शुद्ध वायुमण्डल में तुम देह सहित सब कुछ भूल मुझे याद करो, उस समय याद बहुत अच्छी रहेगी''*

उत्तर 16- *C.बाप पर अपना सब कुछ अर्पण करना*

सबसे अच्छा कर्म है बाप पर अपना सब कुछ (तन-मन-धन सहित) अर्पण करना। जब तुम सब कुछ अर्पित

करते हो तो बाप तुम्हें रिटर्न में इतनी ताकत देता, जिससे तुम सारे विश्व पर सुख-शान्ति का अटल अखण्ड राज्य कर सको।